मलेरिया से बचाव तथा उसकी चिकित्सा: आशा की भूमिका

घर का दौरा करने तथा गाँव में बैठक के दौरान समुदायों में मलेरिया से बचाव तथा उसकी चिकित्सा के बारे में जागरुकता फैलाना।

ग्राम स्वास्थ्य तथा स्वच्छता समिति तथा अन्य ग्राम समूहों द्वारा मलेरिया की रोकथाम के उपायों को अपनाने में मदद करना, जैसे कीटनाशकों का छिड़काव, जल जमाव को रोकना एवं तालाब तथा कुओं में गैम्बूसिया मछलियों के पालन को बढ़ावा देना।

ऐसे व्यक्ति जिनकी मलेरिया-बुखार से ग्रस्त होने की संभावना हो, उन्हें स्वास्थ्य केंद्र पर मलेरिया बुखार की जाँच के लिए तैयार करना।

मलेरिया जाँच केंद्र जाने में असमर्थ व्यक्तियों की निगरानी करने के लिए आर.डी.टी. तथा ब्लडस्लाइड के प्रयोग से जाँच करना तथा निगेटिव स्लाइडों को प्रयोगशाला में भेजना ।

जाँच में मलेरिया पाए जाने वाले व्यक्तियों को क्लोरोक्विन या एसीटी दवाएं देना, जिनके बाद मूल उपचार के लिए उन्हें प्रिमैक्विन देना।

सही आंकड़ों को व्यवस्थित रखना, उन्हें दर्ज करना तथा यह सुनिश्चित करना कि ब्लडस्लाइडों को सही तरीके से प्रयोगशाला भेजा जाए।

ये सुनिश्चित करना कि उच्च मलेरिया वाले क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाएं, गर्भावस्था तथा शिशु जन्म के बाद की अवधि में, स्वयं तथा अपने शिशु के लिए कीटनाशी द्वारा उपचारित मच्छरदानी का प्रयोग करें।

ठंढ से कंपकपी तथा बुखार से ग्रस्त गर्भवती महिला को डॉक्टर के पास तुरंत भेजना तथा बिना किसी देरी के सही इलाज शुरु करना।